सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 272 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 9 नवम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

एक अच्छी तरह से बिताया दिन सुखद नींद लेकर आता है।

-लिओनार्दो दा विंची

शुभमन गिल बने नंबर-वन... 7 | आखिर क्यों हर साल इसी समय... 3 | डीपीसीसी प्रदूषण रोकने में नहीं... 2

विधानसभा चुनावों के प्रचार में आई तेजी, हमले जारी

राहुल-प्रियंका ने जमकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

» बोले - चारों तरफ निराशा ही निराशा

» देश में सिर्फ एक जाति गरीब, तो पीएम खुद को क्यों कहते हैं ओबीसी : राहुल

» देश प्यारा तभी होता है, जब जनता प्यारी होती है : महासचिव कांग्रेस

» एक-एक वोट से बनेगा देश का भविष्य : मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में मतदान के पहले भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज अपनी-अपनी ताकत झोंक रहे हैं। दोनों ही पार्टियों के दिग्गज नेता जनता को लुभाने के लिए अपनी योजनाओं के बारे में जानकारी दे रहे हैं। वहीं आज पीएम मोदी सतना, छतरपुर जिले के दौरे पर हैं। प्रियंका चित्रकूट में हैं। राहुल गांधी चंदेरी और अशोकनगर का दौरा कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद रोड शो भी करेंगे। उधर पीएम भी मध्यप्रदेश की खाक छान रहे हैं।

हमें जिताएं फकीर से छुटकारा मिलेगा : प्रियंका

प्रियंका गांधी आज चित्रकूट के दौरे पर हैं। उन्होंने यहां कांग्रेस प्रत्याशी नीलांशु चतुर्वेदी के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा और पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि जब गांधी जी को गोली लगी उन्होंने हे राम कहा, क्योंकि उनका जीवन उन्ही उसूलों पर टिका था। उन्हीं की परंपराओं से कांग्रेस पार्टी बनी है। आजादी के लिए लड़े हैं खून बहाया है। मेरे पिता ने, मेरी दादी ने बहाया है। देश प्यारा तभी होता है, जब जनता प्यारी होती है। प्रियंका ने कहा कि हमें भारी बहुमत से जिताओ ताकि हमारी सरकार को कोई चोरी न कर पाए। आपको फकीरों और मामा जी से छुटकारा मिले।

कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल व प्रियंका गांधी ने जमकर भाजपा व मोदी सरकार को घेरा है। जहां राहुल ने कहा है पीएम सबकुछ आने मित्रों को बांट रहे हैं तो कांग्रेस की महासचिव ने कहा है देश तब ही प्यारा होता है जब जनता प्यारी होती है। पीएम ने कांग्रेस को कोसते हुए कहा कि इन्होंने 70 साल से देश के लिए कुछ नहीं किया । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला और पूछा कि वह खुद को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के रूप में क्यों बताते रहते हैं जबकि प्रधानमंत्री भारत में जिस एकमात्र जाति को गरीब मानते हैं। छत्तीसगढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि पीएम मोदी हर भाषण में कहते हैं, मैं ओबीसी हूं। लेकिन जब मैं जाति जनगणना के बारे में बात करता हूं, तो वे कहते हैं कि भारत में कोई जाति नहीं है। भारत में केवल एक ही जाति है- गरीब। राहुल ने पूछा कि मोदी जी, अगर देश में गरीब ही एकमात्र जाति है तो आप खुद को ओबीसी क्यों कहते हैं?

कांग्रेस के पास विकास का कोई रोडमैप नहीं है : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोगों से कहा कि आपका एक वोट भाजपा को मध्य प्रदेश में सरकार बनाने, दिल्ली में मोदी को मजबूत करने और राज्य में कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने में मदद करेगा। उन्होंने कहा आपका वही वोट, भ्रष्टाचारी कांग्रेस को एपी की सरकार से सौ कोस दूर रखेगा। यानी एक वोट, तीन कमाल! उन्होंने कहा कि अभी यहां मतदान में इतने दिन बचे हैं, लेकिन उससे पहले ही झूठ का गुब्बारा फुट गया है। कांग्रेस के पास एमपी के विकास का कोई रोडमैप नहीं है। कांग्रेस के थके-हारे चेहरों में एपी के युवाओं को कोई भविष्य नहीं दिखता। इसलिए एमपी को भाजपा पर भरोसा है। एमपी को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं आजकल जहां भी जाता हूं, वहां अयोध्या में बन रहे प्रभु राम के मंदिर की चर्चा चलती है। पूरे देश में खुशी की लहर है। सौभाग्य से भरे इस पावन कालखंड में मेरे मन में एक बात बार-बार आती है। वो बात मुझे आंदोलित करती रहती है और मुझे तेज गति से दौड़ने की प्रेरणा देती रहती है। वो बात है - राम काज कीन्हें बिनु, मोहि कहां विश्राम... अब रुकना नहीं है, थकना नहीं है।

बीएचयू में पहले पीड़िता से हुआ था दुष्कर्म फिर निर्वस्त्र कर बनाया गया वीडियो

» शर्मनाक हरकत- बयान के बाद जोड़ी गईं धाराएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी में आईआईटी बीएचयू की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। पुलिस ने लंका थाने में दर्ज मुकदमे में सामूहिक दुष्कर्म और इलेक्ट्रानिक साधनों के जरिये यौन उत्पीड़न करने से संबंधित धारा बढ़ाई है। दोनों धाराएं पीड़िता के बयान के आधार पर बढ़ाई गई हैं। आईआईटी बीएचयू की बीटेक की छात्रा के साथ एक नवंबर की रात डेढ़ बजे कर्मन बीर बाबा मंदिर से कुछ दूर बाइक सवार तीन युवकों ने अभद्रता की थी।

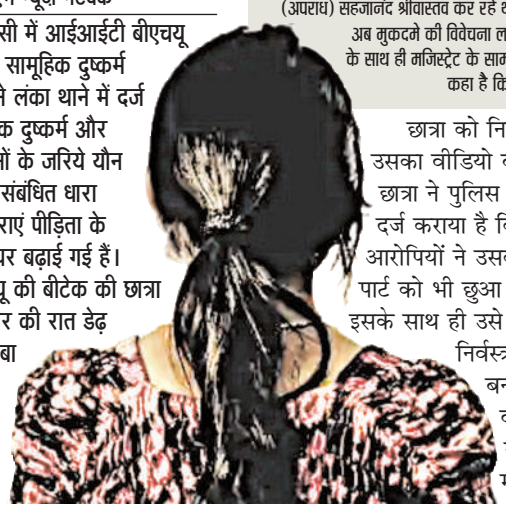

एक भी आरोपी नहीं बच पाएगा : कमिश्नर

आईआईटी बीएचयू की छात्रा से छेड़खानी और अभद्रता के मामले में दर्ज मुकदमे की विवेचना लंका थाने के इंस्पेक्टर (अपराध) सहजानंद श्रीवास्तव कर रहे थे। दर्ज मुकदमे में आईपीसी की धारा 376 (डी) और 509 की बढ़ोतरी होने के बाद अब मुकदमे की विवेचना लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्र को सौंप दी गई है। छात्रा का कलमबंद बयान पुलिस के साथ ही मजिस्ट्रेट के सामने भी दर्ज हो चुका है। बयान के आधार पर धाराएं बढ़ाई गई हैं। वहीं कमिश्नर ने कहा है कि आरोपी बच नहीं पाएंगे, वह हर हाल में पुलिस की गिरफ्त में आकर जेल जाएंगे।

छात्रा को निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बनाया था। छात्रा ने पुलिस को बयान दर्ज कराया है कि आरोपियों ने उसके प्राइवेट पार्ट को भी छुआ था। इसके साथ ही उसे जबरन निर्वस्त्र कर बनाए गए वीडियो को सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने की धमकी दी थी। छात्रा के बयान के आधार पर लंका थाने की पुलिस ने दर्ज मुकदमे में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (डी) और 509 को भी शामिल किया। मुकदमे की विवेचना जारी है। 7 दिन में अपराधियों की पहचान तक नहीं कर पाई पुलिस हालांकि, वारदात के सात दिन पहले बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करना तो दूर उनकी पहचान भी नहीं कर सकी है। इसे लेकर आईआईटी बीएचयू के छात्र-छात्राओं में गुस्सा है।

आशुतोष टंडन का निधन

वर्तमान में लखनऊ पूर्वी सीट से थे बीजेपी विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री रहे आशुतोष टंडन गोपाल का गुरुवार को निधन हो गया। उनका मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा था। वह लखनऊ पूर्वी सीट से वर्तमान में बीजेपी विधायक थे। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे उन्हें जुलाई में भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उन्हें आईसीयू सपोर्ट में भी रखा गया था।

हालांकि उसके बाद उनकी हालत में कुछ सुधार जरूर हुआ था लेकिन फिर तबियत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आशुतोष टंडन योगी सरकार के पहले कार्यकाल में मंत्री भी रहे। उनके निधन की जानकारी आशुतोष टंडन के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर भी दी गई। साइट पर लिखा गया कि गोपाल भइया हम सबको छोड़ कर चले गये। उनके निधन पर देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं लखनऊ पूर्व के विधायक, आशुतोष टंडन उर्फ़ 'गोपालजी' के निधन से मुझे गहरा दु:ख हुआ। उनका राजनीतिक जीवन लखनऊ वासियों की सेवा में समर्पित था। पार्टी को मज़बूती देने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रदेश में मरीज त्रस्त, मंत्री मस्त : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा- न बेड न व्हीलचेयर, पीठ पर पुत्र को लादकर ले जाने को मजबूर पिता

» नीतीश ने खेद जता दिया अब बात खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल बेहाल है जबकि यूपी के मंत्रियों को दूसरे राज्यों में चुनावी प्रचार करने से फुरसत नहीं है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य सेवाएं पटरी से उतर गई हैं। डेंगू बुखार और अन्य बीमारियों से मरीज तड़प-तड़पकर मर रहे है, जबकि भाजपा सरकार का मंत्रिमंडल यूपी के बाहर चुनाव प्रचार में व्यस्त है।

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि हमीरपुर में फोन करने पर भी एंबुलेंस नहीं मिली तो परिवारीजन ठेले पर मरीज को ले जाने पर मजबूर हो गए। व्हीलचेयर न मिलने पर पिता अपनी पीठ पर पुत्र को लादकर ले जाता है। औरैया के विधूना में सीएचसी के बाहर भाई द्वारा बहन का शव पीठ में बांधकर बाइक से घर ले जाने की घटना विचलित करने वाली है। अखिलेश ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के कारण हर रोज मरीज मर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में भाजपा के भू-माफिया के कारण लोग वीडियो बनाकर आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं। कार्रवाई करने के लिए इससे बड़ा सुबूत क्या हो सकता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा ने पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को गरीब बनाए रखा। मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी के ताकत में आने पर जातीय जनगणना होगी। सभी जातियों को उनकी आबादी के अनुपात में हक और सम्मान उन्हें मिलेगा। पिछड़ों को मंडल कमीशन के अनुसार 27 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। मेधावी छात्रों को लैपटॉप और कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाएगा। सपा अध्यक्ष लगातार चौथे दिन मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार कर रहे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किले से बहुत वादे किए थे, लेकिन उनका दूसरा कार्यकाल पूरा होने के बाद भी कोई वादा पूरा नहीं हुआ? किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। गरीबों को आवास नहीं मिला। नौजवानों को नौकरी नहीं मिली। आज महंगाई चरम पर है। गरीब और गरीब होता जा रहा है। नीतीश कुमार ने महिलाओं के बारे में एक बयान दिया है, के सवाल पर बोला कि नीतीश कुमार जी ने जो बयान दिया है, उन्होंने उस बात के लिए खेद और माफी मांग ली है। अगर कोई बात उनके मुंह से निकल आई है तो उन्होंने खेद माफी मांग ली है तो बात खत्म हो गई है।

मंत्री चुनाव प्रचार में हैं व्यस्त

सत्ता में आए तो अग्निवीर व्यवस्था खत्म करेंगे

सपा प्रमुख अखिलेश यादव छतरपुर पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि आज महंगाई चरम सीमा पर है, बेरोजगारी चरम सीमा पर है। जो प्रधानमंत्री यहां आ रहे हैं। वो कह रहे हैं कि एक तरफ तो गरीबी काम हो गई है। उन्हें मजबूरी में गरीबों के लिए राशन देना पड़ा आखिरकार गरीबी किसकी कम हुई है। अखिलेश ने कहा भाजपा और कांग्रेस कांग्रेस और भाजपा इनके विकल्प में मैं जनता से अपील करता हूं कि समाजवादियों की मदद करें और उनके प्रत्याशियों का सहयोग करें, जिस तरह सरकारें रहीं हैं आज महंगाई चरम सीमा पर है। इस सरकार ने जिस तरह के फैसले लिए हैं। चाहे वो प्राइवेटाइजेशन एयरपोर्ट का हो, तमाम चीजें जिस सरकार बेच दी हों उस सरकार से आप क्या उम्मीद करेंगे। मध्यप्रदेश में पिछले कितने वर्षों से भाजपा लगातार सरकार में है। उससे पहले कांग्रेस आई है, उसके बाद भी आम लोगों का जीवन नहीं बदला। प्रधानमंत्री के कल 9 नवंबर गुरुवार को छतरपुर दौरे के सवाल पर कहा कि जब वो भारत माता की जय बोलते हैं तो वे अग्निवीर को भी याद रखें, यदि भारत माता की जय बोलकर और पार्टी अपने आपको राष्ट्रवादी पार्टी बोलते हैं तो राष्ट्र सबसे पहले आता है। तो कम से कम उन्हें अग्निवीर व्यवस्था खत्म करनी चाहिए। जिस तरीके से फौज में पहले भर्ती होती थी हमेशा-हमेशा के लिए उसी तरह फौज में भर्ती करें और अगर फौज की भर्ती पहले की तरह नहीं हो रही है, तो मैं समझता हूं कि वे नारा देकर आम लोगों को धोखा देने का काम कर रहे हैं। अगर समाजवादी पार्टी सत्ता में आएगी तो सबसे पहले अग्निवीर व्यवस्था खत्म करेगी।

डायल-112 की महिला कर्मियों पर सरकार ने किया अत्याचार

समाजवादी पार्टी ने यूपी डायल 112 महिला कर्मचारियों की मांगों का समर्थन किया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि डायल 112 की महिला कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण धरना दे रही थीं। उनके धरने को कुचलने के लिए भाजपा सरकार ने संवेदनहीनता की सारी हदें पार कर दी हैं। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि सपा सरकार में पुलिस तंत्र को मजबूत करने के लिए बनाए गए डायल 100 सिस्टम को भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया है। इस सरकार ने पुलिस व्यवस्था को ठीक करने के बजाय पहले नाम बदला और अब वहां कार्यरत महिला कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का षड्यंत्र कर रही है। यह भाजपा का नारी वंदन नहीं, बल्कि नारी बंधन का नमूना है। सपा के पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पूजा शुक्ला, नेहा यादव, वंदना चतुर्वेदी ने ईको गार्डन पहुंच कर आंदोलन कर रही महिलाओं का समर्थन किया।

निजी क्षेत्रों में भी आरक्षण मिलना चाहिए : मायावती

» रीवा में बोलीं- वंचितों के लिए भाजपा ने कुछ नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रीवा। विधानसभा चुनाव के चलते लगातार तमाम राजनीतिक पार्टियों से स्टार प्रचारक और अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत के लिए प्रदेश भर के दौरे पर हैं। उसी क्रम में यूपी की पूर्व सीएम व बसपा सुप्रीमो मायावती रीवा पहुंची वहां पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस समेत केंद्र और प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि इस दौरान बसपा प्रमुख ने बीजेपी सहित कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि अगर ये पार्टियां दलित, शोषित और वंचित का ख्याल रखती, तो काशीराम को अलग पार्टी न बनानी पड़ती, इस दौरान मायावती ने उत्तरप्रदेश के पिछले चुनाव में हार का कारण ईवीएम को बताया और कहा कि कांग्रेस और बीजेपी आरक्षण खत्म करने का काम कर रहीं हैं, जब कि दलित, पिछड़ों को निजी क्षेत्रों में आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिए था। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने किसी दल से समझौता नहीं किया।

आमजन पर चल रहा बुलडोजर : अजय

» बोले- गंभीर आरोपों में फंसे भाजपा नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। प्रदेश में अपराध की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। इसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि योगी जी का बुलडोजर सिर्फ कांग्रेस और आम आदमी पर चलता है। कई आरोपों में फंसे भाजपा नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इनाम घोषित होने के बाद भी निष्कासित बेजेपी नेता प्रियरंजन आशू दिवाकर बाल आयोग के सदस्य बने बैठे हैं। उन्हें अभी तक हटाया नहीं गया। पुलिस कमिश्नर बोल रहे हैं कि फरार भाजपा नेता बहुत ही प्रभावशाली आदमी है।

पूरा प्रशासन भाजपा नेता के दबाव में है। इसके साथ ही प्रदेश अध्यक्ष कुशाग्र के परिजनों से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। कुशाग्र की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। उनका आरोप था कि पुलिस सिर्फ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले में खानापूर्ति कर रही है। पुलिस आरोपी बीजेपी नेता डॉ प्रियरंजन आशु दिवाकर के दबाव में है। प्रदेश अध्यक्ष बोले कि सूबे के मुखिया योगी कह रहे हैं कि प्रदेश से माफिया खत्म हो गया है। सारे माफिया भाजपा में बैठे हुए हैं, फर्जी तरीके से किसान की जमीन हड़प ली। पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

बाबू सिंह और कुशाग्र के परिजनों से मिले

बहुचर्चित किसान बाबू सिंह आत्महत्या प्रकरण और कुशाग्र हत्याकांड मामले में बुधवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कानून व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त बताया। बुधवार दोपहर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय चकेरी स्थित मृतक किसान बाबू सिंह के आवास पर पहुंचे। मृतक किसान की पत्नी बिट्टन देवी, बेटियों रूबी और काजल से उन्होंने पूरे मामले की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बताया कि घटना के बाद से पूरा परिवार बुरी तरह से टूट गया है। मुलाकात के दौरान कुशाग्र के पिता मनीष कनोडिया ने आरोपियों को फांसी की सजा दिलाने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की घटना ने गुरु और शिष्य का रिश्ता कलंकित किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने भगवती विला के गार्ड राजेंद्र को सम्मानित करते हुए कहा कि उन्होंने पूरी घटना के खुलासे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वरना पुलिस घटना का खुलासा नहीं कर पाती।

डीपीसीसी प्रदूषण रोकने में नहीं कर रहा मदद

» सीएम केजरीवाल बोले- अध्यक्ष को निलंबित करें राज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) पर प्रदूषण रोकने में सहयोग ने करने का अरोप लगाया है। उन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर डीपीसीसी के अध्यक्ष अश्विनी कुमार को तत्काल निलंबित करने की सिफारिश की। साथ ही, प्रदूषण कम करने के लिए बनाए गए स्मॉग टॉवर को जल्द शुरू करने की मांग की। दिल्ली सरकार के सूत्रों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने जनहित के मुद्दे से जुड़े स्मॉग टावरों को बंद करने को लेकर अश्विनी कुमार के फैसले पर सवाल उठाए।

कोर्ट ने इस फैसले को हास्यास्पद बताया और डीपीसीसी अध्यक्ष को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। साथ ही, इन टॉवरों को तुरंत चालू करने का निर्देश दिया। इसे लेकर मुख्यमंत्री ने प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली सरकार के प्रयास में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए उपराज्यपाल से शिकायत की। उन्होंने कहा कि ऐसे नौकरशाह पर कार्रवाई में तेजी लाएं। अश्विनी को तत्काल निलंबित करें। इससे पहले पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भी तत्काल निलंबन की मांग उठाई थी। उन्होंने कहा था कि अश्विनी ने स्वत: संज्ञान लेते हुए दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए आईआईटी कानपुर के रियल टाइम सोर्स अपार्टमेंट अध्ययन का भुगतान रोक दिया है। यह कैबिनेट के फैसले का उल्लंघन है।

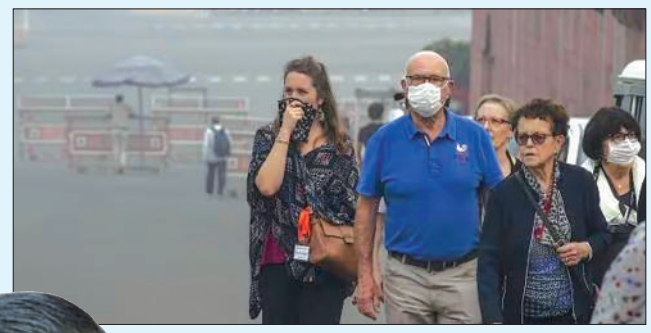

दिल्ली में कई इलाकों का एक्यूआई 400 के पार

दिल्ली में वायु गुणवत्ता की स्थिति आज भी गंभीर बनी हुई है। सीपीसीबी के मुताबिक कई इलाकों का एआईक्यू 400 के पार दर्ज किया गया है। आरके पुरम का एक्यूआई 453, पंजाबी बाग का 444, आईटीओ का 441 और आनंद विहार का 432 दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत एनसीआर के प्रमुख शहरों में अभी हवा जहरीली ही बनी रहेगी। प्रतिकूल हालात से जल्द राहत मिलने वाली नहीं है। पंजाब व पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने पर भी रोक नहीं लग पा रही है।

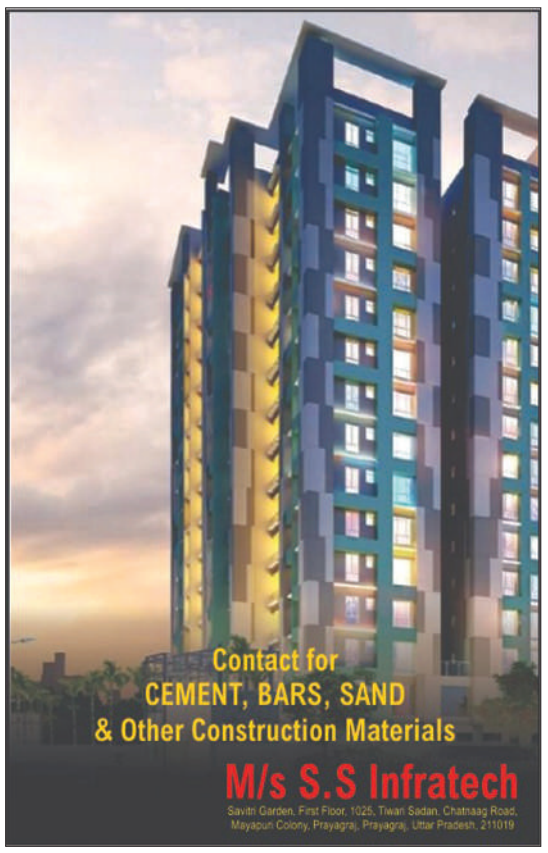

आखिर क्यों हर साल इसी समय जहरीली हो जाती है दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भी दिखाई अब सख्ती, कहा- जल्द करें निवारण

पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाना हुआ आवश्यक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हर साल की तरह इस बार भी एक बार फिर दिल्ली की हवा जहरीली हो गई है। जिसके चलते राजधानी में लोगों का सांस लेना भी दूभर हो गया है। खराब होती वायु गुणवत्ता के चलते दिल्ली में अब लोग बीमार भी पड़ने लगे हैं। तो वहीं जिनको पहले से ही फेफड़ों में दिक्कत है, उनके लिए तो दिल्ली किसी काल से कम नहीं रही है। आए दिन दिल्ली की हवा में जहर फैलता जा रहा है और लोगों का जीना मुश्किल होता जा रहा है। यही वजह है कि इस मामले को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट भी काफी सख्त हो गया है। सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की भी सरकारों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को फसल अवशेष जलाने पर 'तत्काल रोक' सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कहा कि दिल्ली साल-दर-साल इस स्थिति से नहीं जूझ सकती। बेंच ने पंजाब सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील से कहा कि हर बार राजनीतिक लड़ाई नहीं हो सकती। अदालत ने दिल्ली सरकार को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि नगर निगम का ठोस कचरा खुले में न जलाया जाए। उच्चतम न्यायालय ने साफ कहा कि सरकारें क्या करेंगी, कैसे करेंगी, इससे हमें मतलब नहीं, बस पराली जलाना रुकना चाहिए। उधर, सरकार की ओर से कहा गया कि इस वर्ष पराली जलाने की घटना में 40% की कमी आई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे काम नहीं चलेगा, पराली जलाना पूरी तरह बंद करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के ऐसे हालात कायम नहीं रह सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब बर्दाश्त से बाहर हो रहा है, अगर हमने बुल्डोजर चलाना शुरू कर दिया तो रुकेंगे नहीं।

जाहिर है कि पराली जलाना दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ने का एक प्रमुख कारण रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट इस पर काफी सख्ती दिखा रहा है। लेकिन सवाल ये भी उठता है कि आखिर हर बार इतने अधिक इंतजाम करने के बाद भी हर वर्ष एक ही समस्या का सामना क्यों करना पड़ता है। आखिर क्या वजह है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या से लड़ाई बीते दो दशकों से भी ज्यादा वक्त से जारी है। दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट और सरकारों ने भी महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किए हैं। सवाल यह है कि समस्या क्यों अनसुलझी रह गई है?

पंजाब का सुझाव- धान की जगह दूसरी फसल के लिए हो एमएसपी

इस बीच पंजाब के एजी ने सुझाव दिया कि अगर हम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दें तो किसान धान की जगह दूसरी फसल उगाने लगेंगे। जिस पर कोर्ट ने कहा कि तुरंत कुछ करना होगा। समस्या फसल की टाइमिंग से है। जब तक अगले फसल का समय आए तब तक यह सब हो जाना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वो राज्यों को वैकल्पिक फसलों को अपनाने में मदद करे। कोर्ट ने कहा कि अब बर्दाश्त नहीं कर सकते। अब बर्दाश्त नहीं कर सकते। अगर सीधा-सीधा कहें तो अगर कोर्ट का बुलडोजर चलाना शुरू हो गया तो फिर रुकेगा नहीं।

परिवहन, उद्योग व घरों में बड़े पैमाने पर ऊर्जा संयोजन की आवश्यकता

इतने प्रयासों के बाद भी अभी भी कई ऐसे उपाय बचे हुए हैं, अगर जिन्हें कर लिया जाए, तो प्रदूषण के स्तर में और भी कमी आ सकती है। क्योंकि जाहिर है कि प्रदूषण को रोकने के लिए स्वच्छ हवा की आवश्यकता है और स्वच्छ हवा के लक्ष्यों के लिए परिवहन, उद्योग और घरों में बड़े पैमाने पर ऊर्जा संयोजन की आवश्यकता होती है। सड़कों पर वाहनों की संख्या कम करने के लिए मोबिलिटी ट्रांजिशन और कचरा निकलने के सभी स्रोतों को बंद करने के उपाय करने होंगे ताकि कचरों के खुले में जलने और उससे हानिकारक गैस निकलने पर रोक लगाई जा सके। इनमें से प्रत्येक सेक्टर के लिए लक्ष्य पर्याप्त रूप से निर्धारित किए जाने चाहिए, ताकि बुनियादी ढांचे की जरूरतों को परिभाषित किया जा सके, धन जुटाया जा सके और इसे निगरानी योग्य बनाया जा सके। शहर में प्रदूषण बढ़ाने में सबसे बड़ा योगदान वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन का है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम्स और सर्विसेज पूरी तरह इंटिग्रेटेड नहीं हैं, पैदल चलने और साइकिल चलाने का बुनियादी ढांचा खराब है, वाहनों की संख्या कम करने के उपाय भी नहीं हैं। अक्सर समाधान के ऐसे उपाय नहीं ढूंढे जाते हैं जो पर्याप्त प्रभावशाली हों। हालांकि बसों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन 2017-18 के बाद से प्रतिदिन प्रति बस ले जाने वाले यात्रियों में औसतन 48% की बड़ी गिरावट आई है, जैसा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में कहा गया है। शहर लगातार वाहनों की संख्या को कम करने के उपायों से बचता रहा है, जिसमें पार्किंग क्षेत्रों का बेहतर प्रबंधन का अभाव और सरकार की तरफ से तय कीमतें लागू कर पाने में विफलता शामिल हैं। हालांकि

प्राकृतिक गैस का औद्योगिक उपयोग बढ़ गया है, लेकिन नॉन-कॉन्फॉर्मिंग एरियाज में बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयों में अभी भी उपयोग किए जाने वाले गंदे ईंधनों को नियंत्रित करने की कोई रणनीति नहीं है। प्राकृतिक गैस को बढ़ावा देते समय इसे कोयले के मुकाबले किफायती रखने के लिए कोई मूल्य निर्धारण रणनीति नहीं है। सबसे बड़ी बात कि कचरा जलाना एक और ऐसी समस्या है जिसका समाधान नहीं ढूंढा जा रहा है। नगरपालिका की गाड़ियां शहर का लगभग 30% कचरा नहीं उठाती हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मुद्दे को उठाया है और दिल्ली सरकार को सख्त निर्देश भी दिया। स्वच्छ भारत सर्वेक्षण का लक्ष्य 80% कचरे को लैंडफिल से हटाना है। इसके लिए 2026 तक कचरों में शामिल अलग-अलग वस्तुओं को छांटने, रीसाइक्लिंग करने और कूड़े के पहाड़ को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है जो पूरा होता नहीं दिख रहा है।

लगातार किए जा रहे प्रयास

पहली पीढ़ी की कार्रवाई में सार्वजनिक परिवहन और स्थानीय वाणिज्यिक परिवहन को डीजल से सीएनजी में बड़े पैमाने पर परिवर्तन, 15 साल पुराने वाणिज्यिक वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाना, जिन ट्रकों का गंतव्य शहर नहीं हैं उन्हें बाईपास करना, प्रत्येक ट्रक के प्रवेश एवं बड़ी डीजल कारों और एसयूवी की खरीद पर प्रदूषण शुल्क लगाना, दिल्ली में बेचे जाने वाले डीजल ईंधन पर पर्यावरण उपकर (सेस), और नए वाहनों के लिए भारत चरण VI (बीएस 6) उत्सर्जन मानकों को लागू करना शामिल थे। जहरीले डीजल एमिशन में कटौती के इन प्रयासों ने 2014 और 2022 के बीच दिल्ली में डीजल ईंधन की खपत 46% घटा दी है। साथ ही, सभी थर्मल पावर प्लांट बंद कर दिए गए हैं और कानूनी औद्योगिक क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस का उपयोग काफी बढ़ गया है। दिल्ली में उन ईंधनों की लिस्ट भी नोटिफाई की गई जिसके उपयोग की अनुमति है। इस वजह से राष्ट्रीय राजधानी में कोयले सहित सभी गंदे ईंधनों पर प्रतिबंध लगा है है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के लिए 10 हजार बसों का लक्ष्य निर्धारित किया तो 2020 के बाद से यहां बसों की संख्या बढ़कर 7,041 हो गई है। इसके साथ ही, फ्लीट इलेक्ट्रिफिकेशन की शुरुआत (नए बेड़े का लगभग 12% और 3,100 चार्जिंग स्टेशन), उद्योगों में प्राकृतिक गैस का विस्तार और धूल नियंत्रण उपायों को भी लागू किया जा रहा है। इन प्रयासों का सकारात्मक असर भी दिख रहा है। दिल्ली का एक्सपेंडेड रीयल-टाइम एयर क्वॉलिटी मॉनिटरिंग ग्रिड बताता है कि कैसे लॉन्ग टर्म पार्टिकुलेट ट्रेंड्स में बदलाव आया है। PM2.5 स्तर स्थिर हो गए हैं और साल-दर-साल आधार पर नहीं बढ़ रहे हैं। वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण के स्तर में लगभग एक चौथाई की कमी के बाद भी PM2.5 के वार्षिक औसत स्तर में 60% की कमी होगी तब जाकर यह नैशनल एंबिएंट एयर क्वॉलिटी स्टैंडर्ड्स पर खरा उतर पाएगा। इस कठिन लक्ष्य को नीतिगत कार्रवाई और आम बातचीत का हिस्सा बनाना होगा।

पराली एक प्रमुख समस्या

हर साल जब प्रदूषण का स्तर बढ़ने के दौरान आपातकालीन उपायों को लागू किया जाता है, तब पता चलता है इससे बचने का सिस्टम कितना खराब है। डीजी सेट पर पाबंदी लगा दी जाती है जिससे एक तूफान खड़ा हो जाता है क्योंकि बिजली वितरण कंपनियां दिन-रात बिजली मुहैया करवाती नहीं हैं। वहीं, कारों पर प्रतिबंध इसलिए लगा दिया जाता है जबकि सार्वजनिक परिवहन पर्याप्त नहीं होते हैं। दिल्ली में हवा स्वच्छ रखने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की पहचान करके कदम उठाने की बहुत ज्यादा जरूरत है। केवल दिल्ली-केंद्रित उपाय

मदद नहीं कर सकते। प्रदूषण सीमाओं के पार भी उड़ता है। एनसीआर के चारों राज्यों में पराली जलाने पर प्रतिबंध के इतर प्रदूषण के अन्य प्रमुख स्रोतों पर भी रोक लगानी ही होगी। प्रभावी बदलाव लाना है तो स्थानीय और क्षेत्रीय कार्यों को लक्ष्य आधारित रणनीतियों, नियमों का कठोरता से पालन, प्रभावी फंडिंग, निगरानी और रिपोर्टिंग जैसे उपाय बहुत जरूरी हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी पराली जलाने के विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। कोर्ट में आईआईटी, कानपुर की एक स्टडी का हवाला देकर बताया कि प्रदूषण के मुख्य स्रोत क्या-क्या हैं। उन्होंने कहा कि पराली जलाने की प्रथा पूरी तरह रुकनी चाहिए। आज राज्यों के पास कोई बहाना नहीं बचा है। अगर वो कहते हैं कि उनके पास पराली जलाने की निगरानी के लिए ऐप है तो फिर क्या हुआ? इस पर जस्टिस कौल ने कहा कि समाधान बताइए। दिल्ली यूं ही नहीं घुटती रह सकती है। उन्होंने वकीलों से कहा कि देखिए दिल्ली में कितनी बड़ी संख्या में बच्चे स्वास्थ्य समस्याओं से घिर गए हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कैसे लगेगी इन 'माननीयों' की जुबान पर लगाम ?

क्या वो नेता और उन सरकारों के मंत्री वाकई में महिलाओं की इज्जत करते हैं? क्या वो वाकई में महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं? अगर आप इसका उत्तर ढूंढने निकलेंगे तो आपको शायद निराशा ही हाथ लगेगी। क्योंकि ऐसा है वाकई में नहीं। क्योंकि जेहन पर थोड़ा जोर देने पर आपको ऐसे कई वाकये मिलेंगे जब दिखेगा कि इन नेताओं ने महिलाओं के लिए कैसे-कैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है और क्या-क्या कहा है।

भारत वो देश रहा है जहां पर महिलाओं को देवी के समान माना जाता है और उनकी पूजा की जाती है। हमारी संस्कृति में महिलाओं के प्रति सम्मान बसा हुआ है। लेकिन वर्तमान दौर में सरकारों के द्वारा लाख महिला सशक्तिकरण का राग अलापने के बाद भी आए दिन महिलाओं के साथ बर्बरता के मामले बढ़ते जा रहे हैं। उनके साथ अत्याचारों की संख्या में बढ़ोत्तरी होती जा रही है। तो वहीं इस बीच सबसे बड़े सवाल ये भी उठता है कि जो सरकारें और उनके मंत्री व नेता महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए और उनको सशक्तिशाली बनाने के लिए तमाम तरह की योजनाएं लाते हैं और बड़े-बड़े वादे करते हैं। क्या वो नेता और उन सरकारों के मंत्री वाकई में महिलाओं की इज्जत करते हैं? क्या वो वाकई में महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं? अगर आप इसका उत्तर ढूंढने निकलेंगे तो आपको शायद निराशा ही हाथ लगेगी। क्योंकि ऐसा है वाकई में नहीं। क्योंकि जेहन पर थोड़ा जोर देने पर आपको ऐसे कई वाकये मिलेंगे जब दिखेगा कि इन नेताओं ने महिलाओं के लिए कैसे-कैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है और क्या-क्या कहा है।

अब ताजा मामला ही देख लीजिए। इस बार महिलाओं को शर्मिंदा करने वाला बयान दिया है बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने। ये वो ही मुख्यमंत्री साहेब हैं जो अक्सर ये दंभ भरते रहते हैं कि उनकी सरकार में महिलाओं के कल्याण के लिए कई काम हुए हैं। उनकी सरकार ने महिलाओं की शिक्षा और सुरक्षा के लिए बहुत कुछ किया है। लेकिन अब खुद इन सीएम साहेब ने भरे सदन में ऐसी बात कर दी, जिससे न सिर्फ महिलाएं बल्कि पुरुष भी शर्मिंदा हो जाएंगे। दरअसल, बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार जनसंख्या नियंत्रण की बात कर रहे थे। इसी दौरान मुख्यमंत्री साहेब ने महिलाओं की शिक्षा की भी बात की। उन्होंने कहा कि अगर महिलाएं शिक्षित होंगी तो जनसंख्या नियंत्रण और भी आसानी से हो सकता है। यहां तक तो ठीक था। लेकिन इसके बाद नीतीश कुमार विधानसभा के अंदर ही सेक्स एजुकेशन का पाठ पढ़ाने लगे। इसी दौरान मुख्यमंत्री महोदय कुछ ऐसा बोल गए जिसे सुनकर आप भी शर्मिंदा हो जाएंगे। महिलाओं के शिक्षित होने की वकालत करते हुए कहा कि लड़की पढ़ लेगी अगर, तो जब शादी होगा। तब पुरुष रोज रात में करता है ना। उसी में और (बच्चे) पैदा हो जाता है। लड़की अगर पढ़ लेगी तो उसको भीतर मत ..., उसको .... कर दो। इसी में संख्या घट रही है। अब सीएम साहेब की इस टिप्पणी को सुनकर आप खुद सोचिए ये कैसा ज्ञान है ? ये कैसी शिक्षा है? इस तरह की टिप्पणी करना अनुचित है नीति निर्धारकों को कुछ ऐसा करना होगा कि नेता ऐसी बोलीं न बोलें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुकाबले को कर्मशील उद्यमी संस्कृति की जरूरत

सुरेश सेठ

देश में बेकारी के बढ़ते आंकड़े चौंकाने वाले हैं। प्रत्येक सरकार दावा करती है कि वह जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। किसी को भी भूख से मरने नहीं देंगे, इसीलिए अनुकम्पा या उदारता के नाम पर सस्ता अनाज 80 करोड़ जनता में बांटकर, जनकल्याण का रिकार्ड बनाया जा रहा है। सर्वेक्षण बताते हैं कि अब रोजगार खिड़कियों पर इतनी भीड़ नहीं लगती। अब भूख से लोग नहीं मरते। पिछले दस सालों में देश विश्व में दसवीं आर्थिक शक्ति की जगह पांचवीं आर्थिक शक्ति बन गया। शीघ्र ही देश को तीसरी आर्थिक शक्ति बना देने के दावे हैं। लेकिन यह कैसा विकास जहां नई शिक्षा नीति की घोषणा के रोजगारपरक होने के बावजूद नई पीढ़ी को उचित रोजगार नहीं मिलता। वे रोजगार संभावनाओं से निराश होकर नशे के आदी हो रहे हैं या बेहतर जिंदगी की तलाश में विदेशों की ओर पलायन कर रहे हैं।

प्रत्येक राज्य की सरकारें यही कहती हैं कि हम बेकारी की समस्या को प्राथमिकता से हल करेंगे। वर्षों से चलती हुई कच्ची आसामियों को पक्का कर देंगे। अब इस चुनावी मौसम में, जो पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा के बाद शुरू होने जा रहा है। हम नये नियुक्ति पत्र बांटकर नौजवानों को रोजगार देकर वर्षों पुरानी समस्या का समाधान कर देंगे। लेकिन बेकारी की समस्या का यह कैसा निदान? नई नौकरियों के विज्ञापनों की बाढ़ उसकी हामी नहीं भरती। ऐसी किसी रोजगार नीति की घोषणा नहीं होती, जिससे बेरोजगार नौजवान को उसकी शिक्षा और योग्यता के अनुसार स्वत: रोजगार मिल जाएगा। मजबूर होकर उच्च योग्यता वाले ही नहीं बल्कि डॉक्टरेट की योग्यता वाले नौजवान भी तीसरे दर्जे तक की नौकरियों के लिए आवेदन कर रहे हैं। पिछले दिनों पंजाब में पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती के लिए बेकारों की कतार में एम.ए. और पीएचडी वाले भी खड़े थे। जबकि नौकरी की योग्यता केवल दसवीं थी। देश में केरल को शिक्षित राज्य माना जाता है। अभी पिछले दिनों सरकारी कार्यालयों के लिए चपरासी की नौकरी के विज्ञापन निकले।

जिसकी शैक्षणिक योग्यता सातवीं पास और साइकिल चलाने का ज्ञान। विडंबना यह थी कि जिन उम्मीदवारों की कतार लगी, उनमें बी.टेक. ग्रेजुएट, बैंकिंग के डिप्लोमाधारी और शोध छात्र थे। क्योंकि यहां साइकिल चलाने की

योग्यता अपेक्षित थी, फिर भी उच्च शिक्षा प्राप्त साइकिल चलाना सीखते भी देखे गए। जहां तक बेरोजगारी के आंकड़ों का संबंध है, बेकारी से जूझने की नीतियां अब वह प्राथमिकता नहीं पातीं, जितना हमारे चुनावी एजेंडे में रियायती रेवड़ियां बांटने की परम्परा है। सवाल उठता है कि भूखे को रोटी तो देंगे लेकिन उसे यथोचित नौकरी की गारंटी क्यों नहीं? पढ़ा-लिखा या अनपढ़ शारीरिक श्रम से ही अपनी जिंदगी गुजारने की सोचता है। नौकरी न मिले तो सोचता है कि पढ़ने-लिखने की क्या जरूरत, कोई शार्टकट तलाश करो और मजे से जिंदगी जीयो। बेरोजगार युवा वर्ग को जब तक यथोचित नौकरी नहीं मिलती, शिक्षा की नीति पुरानी हो या नयी, निरर्थक-सी लगने लगती है। जब भी चुनावों की घोषणा होती है, पार्टी के चुनावी एजेंडे में नई नौकरियां पैदा करने की कोई सार्थक नीति सामने नहीं आती। अब पिछले दशक में पैदा हुई नई नौकरियों की बात करें तो पाते हैं कि पुरानी शिक्षा और कोर्सों के चलते आज के इंटरनेट और डिजिटल समय में वे युवा तालमेल नहीं बिठा पाते। आंकड़े बता रहे हैं कि कंप्यूटर या साइबर क्षेत्र में नौकरियां खाली पड़ी हैं। नये सर्वेक्षण बता रहे हैं कि निजी क्षेत्र में जहां नई नौकरियां पैदा होने की संभावना है, नौजवानों की अपेक्षा अधेड़ उम्र लोगों को देने का प्रचलन ज्यादा दिख रहा है। उनका मानना है कि इन लोगों के पास अनुभव ज्यादा होता है, साथ ही प्रशिक्षित होते हैं, इनसे गलतियां होने की संभावनाएं कम रहती हैं। यह तो कोई तर्क नहीं। सवाल उठता है कि अगर इन नौकरियों के लिए युवा योग्य नहीं है तो दोष उन शिक्षा परिसरों का है जो अपेक्षाओं के मुताबिक अपने कोर्सों में समय के साथ सिलेबस में परिवर्तन नहीं कर पाए। पुराने टीचर पुराने ढंग से पुरानी डिग्रियों की पढ़ाई करवा रहे हैं।

डिजिटल क्षेत्र में निपुणता प्राप्त करने के लिए प्रयास नहीं किये जा रहे। इसका एक कारण अध्यापकों ने नये सिलेबस, नये कोर्सों के मुताबिक अपने आप को प्रशिक्षित नहीं किया। इस कारण वे शिक्षा के क्षेत्र में नई अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर रहे। इसके अलावा देश में निजी क्षेत्र के विस्तार के साथ-साथ बड़े उद्योगपतियों ने स्वचालित मशीनों वाली फैक्टरियां लगा लीं। इसके कारण भी काम की अपेक्षा रखने वाले नौजवानों को रोजगार नहीं मिलता। उन्हें रोजगार दिया जा सकता था, लघु और कुटीर उद्योगों के विस्तार के साथ।

पहचान नहीं मानवता से परिभाषित हो नैतिकता

राजेश रामचंद्रन

प्रशासन चलाने का प्रमुख आधार हो, तब परस्पर शिकायतों से भरे दो समुदायों के बसने के लिए साझी जगह कभी नहीं बन सकती। हमास और इस्राइली सरकार एक जैसे हैं, जिनका जीवन-मरण दूसरे से घृणा करने पर टिका है। जिस पक्ष को पश्चिमी जगत की मदद मिले, उसका वर्चस्व रहता है। घृणा की प्रतिस्पर्धा में, विशुद्ध मानवता के गुण ही सह-अस्तित्व का माहौल बना सकते हैं, चाहे यह शिकायतकर्ता हो या आक्रमणकारी। हालांकि वे दशकों और सदियों से एक-दूजे की दर्पण-छवि हैं यानि जिसके हाथ जब ताकत आई, दूसरे पर हावी हो गया। दुर्भाग्यवश, किसी जनजाति या साम्प्रदायिक समूह की शिकायतें व्यापक भू-राजनीतिक ताकतों के खेल में एक औजार बन जाती हैं। यह अवस्था उन भारतीयों के लिए जानी-पहचानी है जो आज भी ब्रितानी हुक्मरानों द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन को भटकाने अथवा हराने के लिए पैदा की गई हिंदू-मुस्लिम रंजिश की लकीरों से बाहर नहीं निकल पाए हैं। फिर भी, इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष ने जिस कदर तीव्र संकट पैदा किए हैं, इसके संदर्भ में, उस शख्स की याद फिर से हो आई है जिसने 'शांति के लिए स्थान' बनाने का प्रयास किया था।

बंटवारे के दु:ख को लेकर हरारी के पक्षपाती विचारों से उलट, ब्रितानी हुकूमत द्वारा पैदा किए विभाजन के सबसे बुरे दिनों की पीड़ा में डूबे होने के बावजूद गांधी ने हिंदू और सिखों से साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने में पहलकदमी करने को कहा था। वर्ष 1948 में गांधी से अपना आमरण अनशन त्यागने का अनुरोध करने वाले पत्र पर दो लाख लोगों ने हस्ताक्षर करके प्रण लिया 'हम हिंदू, सिख, ईसाई और दिल्ली के अन्य नागरिक, शपथपूर्ण घोषणा करते हैं कि भारतीय गणराज्य के मुस्लिम नागरिक भी दिल्ली के बाकी बाशिंदों की भांति शांति, सुरक्षा और आत्मसम्मान के साथ जीने और रोजगार करने को स्वतंत्र हैं और भारतीय गणराज्य की भलाई एवं बेहतरी के लिए काम कर पाएंगे'। यह शांति-प्रतिज्ञा भारतीय संविधान लिखे जाने से पहले आई, जिस वक्त यह उपमहाद्वीप लगभग 10 लाख हिंदू, सिखों और मुस्लिमों के खून और तकरीबन एक करोड़ बेघर हुए लोगों की मुसीबतों में अभी भी डूबा पड़ा था।

संविधान को बनाए रखने की दुहाई देने वाले हरेक लोकतांत्रिक शख्स को ठिठककर अपनी आत्मा को टटोलना चाहिए, क्योंकि यह उस 78 वर्षीय कृषकाय वृद्ध की देन है, जिसने इंसानियत को सर्वप्रथम और पहचान को अंतिम रखा। पीड़ा और साम्प्रदायिक संताप पर पक्षपाती रुख रखने से केवल नफरत की लकीर पुष्ट होती है, जोकि साम्राज्यवादियों की ईजाद है, नए हों या पुराने। यहां तक कि सबसे खराब घड़ी में भी गांधी जी ने, यह जानते हुए भी कि हिंसक आग के दरिया को पार करके, शरणार्थी बनकर पहुंचे हिंदू-सिखों के संताप के लिए गलती केवल ब्रिटिश और जिन्ना की है, दिल्ली में शांति स्थापना के लिए रखी सात शर्तों पर इन दोनों कौमों को राजी कर लिया था। परस्पर शक की बिना पर एक-दूसरे से टकराने वाले गुटों पर केवल सार्वभौमिक नैतिकता एवं मानक गुण ही लागू हो सकते हैं और इस सार्वभौमिक नैतिकता के मानकों का विशुद्ध मापदंड है सर्व-हितकारी मानवता।

अफसोस कि, वे सब जो भारत में फलस्तीनियों के मुद्दे पर एकतरफा रुचि ले रहे हैं, वे पहचान के आधार पर बदतरीन पक्षपात दिखा रहे हैं, जिसमें गैर-साम्प्रदायिक मानवीय सदाशयता की जरा परवाह नहीं है। हाल ही में दक्षिण भारत में हुई दो घटनाएं अति चिंतनीय हैं। एक में, तिरूवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने जब युद्ध विरोधी रैली में हमास को आतंकी संगठन बताया तो उन्हें टोककर इसे सही करने को कहा गया। इसके तुरंत बाद हमास के पूर्व मुखिया माशल ने जमात-ए-इस्लामी की युवा शाखा को ऑनलाइन या पूर्व रिकॉर्डिड संबोधन दिया। भारत के प्रत्येक स्वयंभू तरक्कीयाफ्ता मुस्लिम और मार्क्सवादी नेताओं को यह समझना होगा कि जब वे पश्चिम एशिया में चल रहे नृशंस संघर्ष में हमास की तरफदारी करते हैं तो यह करते वक्त वे अपनी नैतिकता और इंसानियत को त्याग रहे हैं। एक-दूजे का समूल नाश करने के लिए बच्चों की क्रूर हत्याएं, बेगुनाह आम नागरिकों के नृशंस कत्ल, महिलाओं को अगवा या बलात्कार करने के वहशी कृत्यों को केवल आतंकवाद ही कहा जाएगा। यदि हमास 1400 इस्राइलियों को मारने और 200 को बंधक बनाने को इसलिए न्यायोचित बताता है कि वे सब यहूदी थे, तब तो नस्लभेदी इस्राइल सरकार द्वारा गाजा को नेस्तनाबूद करने और 10000 फलस्तीनी मारने को सही करार दिया जाएगा।

इस्राइली खुफिया विभाग ने खुद ही हमास को लुभाकर जाल में फंसाया होगा ताकि गाजा का सम्पूर्ण विनाश सुनिश्चित हो सके। अंत में, हमास की सफलता केवल यही कही जाएगी कि उसने अस्पतालों और शरणार्थी कैम्पों पर बमबारी करने की इस्राइली हरकतों को वैधता दे डाली। कुल मिलाकर हमास फलस्तीनियों के लिए तबाही का बड़ा कारण सिद्ध हुआ है। भारतीय मुस्लिम लीग के जिस नेता ने शशि थरूर को टोककर यह कहने को कहा कि हमास 'प्रतिक्रियावादी लड़ाके' हैं, इसके पीछे की वजह है, उनका मुस्लिम हम-बिरादर होना। जमात-ए-इस्लामी संगठन की बात करें, जिसने हमास के नेता का रिकॉर्डिड या ऑनलाइन संबोधन आयोजित किया, तो उसने भी यह पीड़ितों के प्रति मानवता से बंधकर नहीं बल्कि धार्मिक पहचान के आधार पर किया है- इस तथ्य पर कि वे भी मुस्लिम हैं और हमास वाले भी।

गोमुखासन

ये योगासन रीढ़ और पेट की मांसपेशियों में खिंचाव लाने में सहायक है। इससे पाचन क्रिया बेहतर होती है। इस आसन का अभ्यास खाने के बाद करने से पेट संबंधित परेशानियों का इलाज होता है। गोमुखासन के अभ्यास के लिए बाएं पैर को मोड़कर घुटने को बाएं कूल्हे के पास लाएं। अब दाहिने पैर को बाएं पैर पर इस तरह रखें कि घुटने एक दूसरे को स्पर्श करें। हाथों को पीछे की ओर ले जाते हुए दाएं हाथ से बाएं हाथ को पकड़ें। रीढ़ को सीधा रखते हुए करीब 1 मिनट तक गहरी सांसें लें। धीरे धीरे पुरानी अवस्था में आ जाएं। अस्थमा के मरीजों के लिए भी इस मुद्रा के कई फायदे है। इससे छाती वाले हिस्से में फैलाव आता है और इसके नियमित अभ्यास से श्वसन संबंधी समस्याएं दूर होती है। गोमुखासन योग से कूल्हे के दर्द में काफी आराम मिलता है और कमर दर्द की समस्या भी ठीक हो सकती है।

वीरभद्रासन

इम्यूनिटी को बढ़ाकर रोगों से बचाव के लिए वीरभद्रासन का अभ्यास फायदेमंद हो सकता है। शरीर के संतुलन में सुधार, सहनशक्ति को बढ़ाने, तनाव कम करने, हार्ट रेट नियंत्रित करने और मांसपेशियों को स्वस्थ रखने के लिए वीरभद्रासन को जीवन में शामिल करें। इस आसन को करने के लिए सीधी मुद्रा में खड़े होकर बाहों को फर्श के समानांतर उठाते हुए सिर को बाई ओर मोड़ें। अब बाएं पैर को 90 डिग्री में बाए बाई ओर मोड़ें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें। अब इसी तरह दूसरी तरफ से अभ्यास करें।

धनुरासन

धनुरासन का अभ्यास रक्त प्रवाह में सुधार करता है और प्रतिरक्षा को बढ़ाने में सहायक है। धनुरासन पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और कमर व छाती की तमाम समस्याओं से निजात दिलाने के साथ ही स्टेमिना को बेहतर बनाता है। इस आसन को करने से लिए पेट के बल लेट कर दोनों पैरों को मोड़कर ऊपर की ओर ले जाएं। दोनों हाथों से पैरों के पंजों को पकड़कर सांस लेते हुए पैरों को ऊपर की ओर खींचें। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।

शरीर का स्टेमिना बढ़ाएंगे ये योगासन

न फूलेगी सांस और ना महसूस होगी थकान

स्टेमिना व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक ऊर्जा की मात्रा को दर्शाने वाला शब्द है, जो व्यक्ति की लंबे समय तक कार्य करने की क्षमता के बारे में बताता है। कितनी लंबी दौड़, कितने लंबे समय तक व्यायाम और कितनी देर कामकाज करने में सामर्थ्य ही स्टेमिना है। कमजोर स्टेमिना के कारण जल्दी थकान, सांस लेने में कठिनाई, दैनिक गतिविधियों में कमी और ऊर्जा में कमी महसूस होती है। नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार, पर्याप्त नींद और स्ट्रेस को कम करके स्टेमिना बढ़ाया या मजबूत बनाया जा सकता है। यदि आप अपने स्टेमिना को बढ़ाना चाहते हैं तो जीवनशैली में स्वस्थ बदलाव लाने की जरूरत है। स्टेमिना बढ़ाने के लिए कुछ असरदार योगासन भी हैं, जिनके नियमित अभ्यास से शरीर की शक्ति मजबूत बनती है। स्टेमिना मजबूत होने से जल्द थकान महसूस नहीं होती और न ही सांस फूलने की समस्या होती है।

उष्ट्रासन

उष्ट्रासन के अभ्यास से शरीर में लचीलापन, थकान से राहत और आंखों की रोशनी बेहतर बनती है। कमर दर्द में भी आराम मिलता है। इस आसन को योग विशेषज्ञ की निगरानी में करें। इस आसन को करने के लिए घुटनों के बल बैठकर सांस लेते हुए रीढ़ के निचले हिस्से को आगे की तरफ दबाव डालें। इस दौरान पूरा दबाव नाभि पर महसूस होना चाहिए। पीठ के पीछे की तरफ मोड़ते हुए झुकें और गर्दन को ढीला छोड़ दें। इस स्थिति में 30 से 60 सेकंड तक बने रहें। ये आसन पाचन सुधारने में मदद करता है क्योंकि ये पेट के भीतर मौजूद सभी अंगों की हल्की मालिश करता है। उष्ट्रासन के अभ्यास से सीने और पेट के निचले हिस्से से अतिरिक्त चर्बी कम होती है। ये कमर और कंधों को मजबूत बनाता है। ये कमर के निचले हिस्से में दर्द कम करने में मदद करता है। शरीर का पोश्चर सुधारने में भी ये आसन मदद करता है।

हंसना मना है

डॉक्टर- पप्पु अब तुम्हारी पत्नी कैसी है? पप्पु- अब काफी सुधार है उसकी तबियत में, आज सुबह तो थोड़ी बहुत लड़ाई भी की उसने।

2 हफ्तों से ज्यादा खासी टीबी बन जाती है..अगर टाइम पे गर्लफ्रेंड ना चेंज करो तो वो बीबी बन जाती है।

गर्लफ्रेंड- मेरी याद आती है तो तुम क्या करते हो? बॉयफ्रेंड- तुम्हारी पसंदीदा चोकलेट खा लेता हूं। और तुम क्या करती हो मेरी याद आये तब, गर्लफ्रेंड-मैं भी 'विमल' खा लेती हुं।

सावधान इंडिया! मेरे हिसाब से दुनिया में, सतर्क इन्सान वही है, जो टॉयलेट मे बैठने से पहले, पानी का नल चला कर देख ले, की, पानी आ रहा है की नहीं।

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे आईलवयू कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन है आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आंखों में काजल लगाना काफी नहीं! गले में निंबू-मिर्ची भी लटकाया करो।

कहानी | पांच मिनट का जीवन

एक बार एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गये वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए व्यक्ति से पानी मांगा, बिना एक क्षण गंवाए उसने पानी पिला दिया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आये हैं लेकिन चूंकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूं। यह कहकर यमराज ने एक डायरी देकर उस आदमी से कहा कि तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है। इसमें तुम जो भी लिखोगे वही हो जाएगा लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट। उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो उसने देखा कि पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहां लिख दिया कि उसके पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था कि उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है, तो उसने लिख दिया कि उसका दोस्त चुनाव हार जाए। इस तरह, वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पेन उठाया यमराज ने उस व्यक्ति के हाथ से डायरी ले ली और कहा वत्स तुम्हारा पांच मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपने पूरे 5 मिनट का समय दूसरों का बुरा करने में व्यतीत कर दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया, अंततः तुम्हारा अंत निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा मौका उसके हाथ से निकल चुका था।

शिक्षा - यदि ईश्वर ने आपको कोई शक्ति प्रदान की है तो कभी किसी का बुरा न सोचे, और न ही बुरा करें। दूसरों का भला करने वाला सदा सुखी रहता है और ईश्वर की कृपा सदा उस पर बनी रहती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज धनतेरस के दिन आप विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानी देगी। बाहर रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफा आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आएगा।

वृषभ

आज धनतेरस का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज सायंकाल का समय आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रमों में व्यतीत करेंगे।

मिथुन

आज धनतेरस का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ चल रही अनबन समाप्त होगी। साथ ही एक दूसरे की कद्र करेंगे। कार्यक्षेत्र में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रहेंगे।

कर्क

धनतेरस के दिन पुरानी चीजें मिलने से खुशी होगी। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। अचानक यात्रा के कारण आपाधापी और तनाव का शिकार हो सकते हैं।

सिंह

आज धनतेरस के दिन आपके लिए उम्मीद से बढ़कर सफलता दिलाने वाला रहेगा, जिसके कारण आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप जिस भी कार्य को करेंगे।

कन्या

आज धनतेरस का दिन धनवर्षा करने वाला है। जो छात्र रिसर्च कर रहे हैं उन्हें कोई बड़ी सफलता मिलेगी। अपना सभी काम खुद ही करने की कोशिश करें तो बेहतर रहेगा।

तुला

आज दूसरों के प्रति आपका स्वभाव अच्छा रहेगा। धनतेरस के दिन आपको धन लाभ भी हो सकता है। लड़ाई-झगड़े से दूरी बनाकर रखें। विवाह प्रस्ताव भी मिल सकता है।

वृश्चिक

आज धनतेरस का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। आज आपकी किसी ऐसे प्रयोजन से मुलाकात होगी, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी।

धनु

धनतेरस के दिन कारोबार से जुड़ा कोई जरूरी काम पूरा होगा। नया रेस्टोरेंट खोलने का प्लान बनाएंगे। खुले मन और ईमानदारी से काम करने से सफलता निश्चित मिलेगी।

मकर

आज धनतेरस के दिन आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ फेरबदल करनी पड़ सकती है। ध्यान रखें यह बदलाव आपके लिए कुछ बेहतर परिणाम जरूर लेकर आएगा।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज धनतेरस के दिन आपको अपनी पैतृक संपत्ति प्राप्त हो सकती है, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा।

मीन

धनतेरस के दिन काम के सिलसिले में दिनभर भागदौड़ करनी पड़ेगी। ऑफिस में मिले किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिये नई योजना बनाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

फिर से जंगली बिल्ली बनकर डॉन का पीछा करेंगी प्रियंका

बॉलीवुड | मसाला

कुछ समय पहले डॉन-3 के मेकर्स की तरफ से ये खुलासा किया गया था कि इस बार फिल्म में डॉन का किरदार रणवीर सिंह निभाएंगे। मेकर्स ने फिल्म से एक छोटी झलक भी दर्शकों के साथ शेयर की थी। अब फिल्म को लेकर नई अपडेट सामने आई है कि बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा भी डॉन फ्रैंचाइजी में वापसी करने वाली हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म हाल ही में एक्ट्रेस फरहान अख्तर से मिली थीं और उन्होंने डॉन-3 के बारे में चर्चा की थी। प्रियंका ने भी फिल्म करने को लेकर ग्रीन सिग्नल दे दिया है। डॉन-3 की लीड को लेकर पहले कियारा आडवाणी और कृति सेनन का नाम सामने आया था। अब फैंस कयास लगा रहे हैं कि प्रियंका को पुलिस अफसर के अंदाज में फिर से देख पाएंगे। हालांकि अभी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है कि फिल्म में एक्ट्रेस होंगी या नहीं पर प्रियंका की तरफ से ग्रीन सिग्नल देखने को मिल रहा है।

डॉन फ्रैंचाइजी का अहम हिस्सा थीं एक्ट्रेस

बता दें कि प्रियंका चोपड़ा डॉन फ्रैंचाइजी में पहले भी काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म में पुलिस अफसर का किरदार निभाया था। प्रियंका के किरदार को फैंस ने काफी पसंद किया था। दरअसल फिल्म में उनका किरदार एक रिवेंज शेड का होता है जो डॉन यानि शाहरुख खान से बदला लेता है। फिल्म में शाहरुख खान और प्रियंका चोपड़ा की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। डॉन फ्रैंचाइजी की दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर भी खासी कमाई की थी।

पहले भी रणवीर सिंह के साथ कर चुकीं हैं काम

प्रियंका चोपड़ा और रणवीर सिंह की फिल्मोग्राफी की बात करें तो दोनों पहले भी कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं। प्रियंका चोपड़ा ने इससे पहले रणवीर के

साथ गुंडे, बाजीराव मस्तानी और दिल धड़कने दो में साथ काम किया था। प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो रणवीर सिंह फिलहाल सिंघम अगेन की शूटिंग में बिजी हैं, वहीं प्रियंका चोपड़ा अपने कुछ इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स का काम खत्म कर डॉन-3 से जुड़ सकती हैं। प्रियंका की बात करें तो वह जल्द ही सिटाडेल-2 में भी दिखेंगी।

रश्मिका मंदाना के साथ हुई डीपफेक पर ऐक्शन में आई मोदी सरकार

रश्मिका मंदाना के वायरल वीडियो ने पूरे देश में सनसनी पैदा कर दी है। हर कोई ऐसी घटना को लेकर चिंता और परेशान है। अब इन घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को नियमों की याद दिलाई है।

रश्मिका के वायरल वीडियो पर अब केंद्र सरकार ने अपनी प्रकिरिया दिखाई है। दरअसल वायरल हुए को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने भी देखा था और उसको देख कर उन्होंने मामले पर कानूनी करवाई की मांग की थी। जिसके बाद अब केंद्र सरकार ने सुचना प्रद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 66डी का हवाला दिया है। इस धारा में कंप्यूटर संसाधन का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी के

इतनी साल तक की मिल सकती है सजा

इस धारा के तहत जो कोई भी किसी नई टेक्नोलॉजी या कंप्यूटर का इस्तेमाल कर के धोखाधड़ी करेगा तो फिर उसे एक साल की लिए जेल हो सकती है, जिसे तीन साल तक के लिए भी बढ़ाया जा सकता है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। जुर्माना एक लाख रूपए तक बढ़ सकता है। सरकार की ये एडवाइजरी एक्ट्रेस के वीडियो वायरल होने के एक दिन बाद जारी की गई है। इसी बिच बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री कैटरीना कैफ के साथ भी इसी तरह की घटना की खबर सामने आई थी

कब रिलीज हो रही है फिल्म?

इन फेक वीडियोज के बीच एक्ट्रेस अपनी फिल्म एनिमल के प्रमोशन में व्यस्त हैं। एनिमल का डायरेक्शन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। फिल्म में एक्ट्रेस के साथ रणवीर कपूर नजर आने वाले हैं, ये पहली बार होगा जब रणवीर और रश्मिका स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे। फिल्म थिएटर्स में 1 दिसंबर को दस्तक देगी और इसकी टक्कर विक्की कौशल की मोस्ट अवेटेड फिल्म साम बहादुर से होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

इस दिवाली सीजन में मुझे फोमो हो रहा है : स्वरा भाष्कर

देशभर में 12 नवंबर को दिवाली का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में इन दिनों बॉलीवुड हस्तियां दिवाली पार्टियों में शामिल होने में व्यस्त हो गई हैं। वहीं इन किसी पार्टियों में बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर शामिल नहीं हो पा रही हैं। पार्टी में शामिल होने के लिए स्वरा भी बेताब हो रही हैं।

दरअसल, स्वरा भास्कर कुछ समय पहले ही मां बनी हैं। उन्होंने सितंबर में अपनी बेटी राबिया का स्वागत किया था। इसके चलते वह घर पर अपनी बेटी के साथ अकेली हैं और किसी पार्टी में शामिल नहीं हो पा रही हैं। देशभर में 12 नवंबर को दिवाली का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में इन दिनों बॉलीवुड हस्तियां दिवाली पार्टियों में शामिल होने में व्यस्त हो गई हैं। वहीं इन किसी पार्टियों में बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर शामिल नहीं हो पा रही हैं। पार्टी में शामिल होने के लिए स्वरा भी बेताब हो रही हैं।

दरअसल, स्वरा भास्कर कुछ समय पहले ही मां बनी हैं। उन्होंने सितंबर में अपनी बेटी राबिया का स्वागत किया था। इसके चलते वह घर पर अपनी बेटी के साथ अकेली हैं और किसी पार्टी में शामिल नहीं हो पा रही हैं। स्वरा भास्कर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील साझा की है। अभिनेत्री ने अपने पहले के शानदार दिवाली लुक को याद किया है। वीडियो में स्वरा बेड पर लेटी हुई हैं और अपनी बेटी राबिया को उन्होंने अपनी बाहों में पकड़ा हुआ है। इसके दौरान वह फोन पर स्क्रॉल करते हुए अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने फोमो होने की बात कही है। क्योंकि इस वर्ष वह अपनी बेटी के साथ घर पर अकेली रहेंगी। अभिनेत्री के रील में लिखा हुआ है, प्रसवोत्तर मां को याद है, जब वह तैयार होती थी और जगह-जगह जाती थी। स्वरा भास्कर ने जो रील साझा की है, उनमें अभिनेत्री के पहले के दिवाली लुक दिखाई दे रहे हैं। वहीं, रील में झुमका गिरा रे गाना चल रहा है। फैंस को अभिनेत्री का यह वीडियो बेहद पसंद आ रहा है। स्वरा ने पोस्ट साझा कर लिखा, इस दिवाली सीजन में मुझे फोमो हो रहा है। वहीं फैंस स्वरा भास्कर की इस वीडियो पर अपना खूब प्यार लूटा रहे हैं। फैंस उनके इस वीडियो पर खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

6 जी दो पहिया वाहनों की हेड लाइट हमेशा क्यों रहती है ऑन

आजकल की गाड़ियां पहले से काफी खास हो चुकी हैं, माइलेज के मामले में बेहतर हैं, और लुक-डिजाइन भी खास है। पर इनमें एक अलग बात है, जो पहले की गाड़ियों से हटकर है। वो है इनकी हेड लाइट। क्या आपने कभी गौर किया है कि आजकल के नए दो पहिया वाहनों की लाइटें हर वक्त ऑन रहती हैं। क्या आप इसके पीछे का कारण जानते हैं? चलिए आपको बताते हैं। अजब-गजब नॉलेज के तहत हम आपके लिए लेकर आते हैं देश-दुनिया से जुड़ी हैरान करने वाली जानकारियां जो किसी को भी आश्चर्यचकित कर देती हैं। आज हम बात करेंगे नई गाड़ियों की हेड लाइट की जो हमेशा ही जलती रहती हैं। हाल ही में किसी ने कोरा पर सवाल किया-नए दो पहिया वाहनों में हेड लाइट हमेशा चालू क्यों रहती है, कंपनियों ने ऐसा क्यों किया? इस सवाल पर कुछ लोगों ने जवाब दिया है, चलिए आपको बताते हैं। अंकित शर्मा नाम के शख्स ने कहा- दोपहिया वाहनों में दिन में भी हेड लैम्प प्रकाशित होने की व्यवस्था एक सड़क सुरक्षा मानक है जिसे सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लागू किया गया है। दरअसल, दिन में प्रकाशित हेड लैम्प से दोपहिया वाहन दूर से ही अन्य वाहन चालकों को दिख जाते हैं और वे सतर्क हो जाते हैं। गौरतलब है कि विश्व के भिन्न देशों में यह व्यवस्था पहले से ही लागू है। सीपी सिंह नाम के यूजर ने कहा-यदि दिन में भी सामने से आते दुपहिया वाहन की हेडलाइट ऑन रहेगी तो उसे सामने के वाहन चमक के कारण सही समय पर देख पाएंगे। अक्सर पीछे के बैकग्राउंड में वाहन की सही स्थिति का अंदाजा गलत लग जाने के कारण दुर्घटनाएं भी होती हैं। चलिए अब बताते हैं कि विश्वस्त्रीय सोर्सेज के अनुसार इसका क्या सही जवाब है। दो पहिया गाड़ियों की हेडलाइट हमेशा ऑन रहने का कारण है एएचओ यानी ऑटोमैटिक हेडलाइट ऑन टेक्नोलॉजी। इस तकनीक की वजह से गाड़ियों की लाइटें हमेशा चालू रहती हैं। ये बीएस-6 गाड़ियों में होता है। इसके पीछे अहम कारण ये है कि बाइक और स्कूटी का साइज बस, ट्रक या कार की तुलना में छोटा होता है। इस वजह से धुंध, कोहरे जैसे मौसम में अक्सर ये गाड़ियां नहीं दिख पाती हैं। ऐसे में इनकी लाइटें जब हर वक्त ऑन रहती हैं, तो ये दिख जाती हैं।

अजब-गजब | यहां पर दिवाली के दिन हो गई थी राजा की मौत

केरल व तमिलनाडु में नहीं मनाई जाती दीपावली

देश में दीपावली का त्योहार बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। 14 सालों के बाद जब भगवान राम वनवास से लौटकर अयोध्या वापस आए थे, तो लोगों ने घी के दीपक जलाए थे। तब से ही दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दीपावली का त्योहार बेहद खास है। इस दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इसके साथ ही लोग अपने घर और मंदिरों में दीपक जलाते हैं। भारत के अलावा दुनिया के अलग-अलग देशों में भी दिवाली मनाई जाती है।

हालांकि भारत में कई जगहों पर दिवाली का त्योहार नहीं मनाया जाता है। इन स्थानों पर दिवाली के दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा भी नहीं की जाती है और लोग पटाखे भी नहीं जलाते हैं। आपको यह जानकर हैरानी हो रही होगी और यकीन नहीं हो रहा होगा। आइए आज आपको बताते हैं कि भारत के इन जगहों पर आखिर रोशनी का त्योहार दिवाली क्यों नहीं मनाई जाती है और इसके पीछे की मान्यता क्या है?

इस साल रोशनी का त्योहार दिवाली 12 नवंबर को मनाई जाएगी। इन दिनों दिवाली की हर तरफ धूम है, लेकिन दक्षिण भारत में कुछ जगहों पर दिवाली नहीं मनाई जाती है। रोशनी के त्योहार को नहीं मनाने के पीछे एक मान्यता है। भारत के केरल राज्य में दिवाली नहीं मनाई जाती है। प्रदेश के सिर्फ कोच्चि शहर में धूमधाम से दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि आखिर इस राज्य में दिवाली क्यों नहीं मनाई जाती है? यहां पर दिवाली नहीं मनाए जाने के पीछे कुछ वजहे हैं। मान्यता है कि केरल के राजा महाबली की दिवाली के दिन मौत हो गई थी। इसके कारण तब से यहां पर दिवाली का त्योहार नहीं मनाया जाता है। केरल में दिवाली न मनाने की पीछे दूसरी वजह यह भी है कि हिंदू धर्म के लोग बहुत कम हैं। यह भी बताया जाता है कि राज्य में इस समय बारिश होती है जिसकी वजह से पटाखे और दीये नहीं जलते हैं। तमिलनाडु में भी कुछ जगहों पर दिवाली नहीं मनाई जाती है। वहां पर लोग नरक चतुर्दश का त्योहार धूमधाम से मनाते हैं। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर राक्षस का वध किया था। इस दिन को छोटी दिवाली के रूप में मनाया जाता है।

सरकार आने पर ग्राम स्वराज को देंगे और मजबूती

पूर्व सीएम कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर हमला बोलते हुए कहा- इस सरकार ने गांवों की ओर ध्यान नहीं दिया

» बोले- एमपी में भाजपा सरकार ने किसानों को सिर्फ छला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस ने सत्ता का विकेन्द्रीकरण कर लोकतंत्र में वास्तविक अधिकार ग्राम पंचायतों को सुनिश्चित कराए, क्योंकि ग्रामों की खुशहाली से ही प्रदेश में खुशहाली आती है और इस लक्ष्य को सशक्त रूप से साकार करने के लिए मैं वचनबद्ध हूं। पूर्व सीएम ने शिवराज सरकार पर हमला बोलेते हुए कहा कि इस सरकार ने गांवों की ओर ध्यान नही दिया। किसान परेशान है उसे लागत मूल्य तक नहीं मिल पार रहा है।

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर मध्यप्रदेश पंचायत राज और ग्राम स्वराज अधिनियम को मूल भावना के अनुरूप अक्षरशः लागू करेगी। ग्राम पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों की मांग पर न्याय करेंगे तथा ग्राम रोजगार सहायक को सहायक पंचायत सचिव का दर्जा देंगे। इनको नियमित वेतनमान से जोड़ेंगे एवं अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ देंगे। जनता ही सरकार के सिद्धांत पर चलकर ग्राम सभाओं एवं ग्राम पंचायतों को पुनः अधिकार सम्पन्न बनायेंगे। सरपंचों के सम्मान को सुनिश्चित करेंगे एवं उनकी गरिमा को कम करने वाले नियमों को बदलेंगे। सरपंच निर्वाचित जनप्रतिनिधि होते

हैं अतएव उनके विरूद्ध की गई शिकायतों के निराकरण की नई व्यवस्था करेंगे। ग्राम पंचायतों में एक सचिव और एक सहायक सचिव की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। जिला पंचायतों एवं जनपद पंचायतों में नगरीय निकायों की तरह एल्डरमेन नियुक्त करेंगे। 15 वें वित्त आयोग की राशि नवीन जनसंख्या अनुसार ग्राम पंचायतों को मिले, इस हेतु प्रस्ताव करेंगे। वित्त आयोग की राशि में जिला एवं जनपद सदस्यों को विकास कार्य के लिए अलग से मिले, इस हेतु प्रस्ताव करेंगे। पंचायत स्तरीय पदों के लिए पृथक से स्थानांतरण नीति बनायेंगे। जिला/जनपद पंचायत को अधिकार देंगे। अधिकार सम्पन्न पंचायतों से अधिकार सम्पन्न आमजन होगा और खुशहाल मध्यप्रदेश बनेगा।

बाबर वालों के डर से राहुल रामलला के मंदिर नहीं जाते : हेमंत

चुनावी जनसम्पर्क करने खंडवा जिले में पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिसवा सरमा ने जिले की मान्धाता और पंधाना सहित खंडवा विधानसभा में कहीं रोड शो किये तो कहीं जनसभाओं को सम्बोधित किया। इसी बीच पंधाना विधानसभा में अपनी सभा के दौरान उन्होंने अपनी पार्टी के पक्ष में मतों का ध्रुवीकरण करते हुए कांग्रेस, राहुल और कमलनाथ के साथ ही राम मंदिर और इस्त्रायल से लेकर हमास तक को अपने बयान में लपेटे में ले लिया। पहले तो उन्होंने कांग्रेस और राहुल पर हमला बोलते हुए उन्हें बाबर (मुसलमानों) के डर से रामलला के मंदिर नहीं जाने वाला बताया, तो वहीं इसी बीच हमास और इस्त्रायल के बहाने देश की साम्प्रदायक ताकतों पर भी निशाना साधा। सम के मुख्यमंत्री हेमंत बिसवा सरमा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी कभी रामलला के मंदिर नहीं गए और वे सिर्फ चुनाव के समय ही मंदिर जाते हैं। वह छुप छुप कर मंदिर जाते हैं, और वे वही मंदिर जाते हैं जहां बाबर के लोगों को उनसे शिकायत ना हो।

इंडिया गठबंधन में मतभेदों को दूर करें : उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य चुनावों में सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन को घेरा है। इससे कहा जा सकता है कि इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। उमर ने कहा कि हाल ही में कांग्रेस ने कहा कि इंडिया अलायंस केवल संसद चुनावों के लिए है। पांच राज्यों के चुनावों के बाद, सभी सदस्यों को एक साथ बैठना चाहिए और मतभेदों को दूर करना चाहिए ताकि 2024 में आगामी संसद चुनावों में हमारा प्रदर्शन प्रभावित न हो। वहीं, नेकां और पीडीपी के बीच भी शब्दों के बाण चलाए जा रहे हैं। दोनों पार्टियां ही इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर इंडिया गठबंधन राज्य चुनावों में सीटें साझा नहीं करना चाहता था, तो इस बारे में पहले ही साफ कर देना चाहिए था। आगे उन्होंने कहा कि वह बैठकों में भाग लेते रहे हैं। इसमें गठबंधन विधानसभाओं के लिए है या नहीं, यह विषय

» बोले- राज्य चुनावों में सीटों के बंटवारे पर पहले ही करना था स्पष्ट

बार-बार उठा, लेकिन कोई निर्णय नहीं हुआ। और अब नतीजा सबके सामने है। गठबंधन के सभी सदस्य मध्यप्रदेश और राजस्थान आदि में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में पर्यावरण के साथ हो रहा खिलवाड़

नेकां के उपाध्यक्ष और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अमरनाथ गुफा तक मोटर योग्य सड़क के निर्माण पर सवाल उठाया। कहा कि इस तरह पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करना अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि अमरनाथ गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा वर्षों से चल रही है और वहां वाहन ले जाने की कोई जरूरत नहीं है। उमर ने श्रीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, इस मामले पर दोबारा विचार करने की सख्त जरूरत है। यहां के लोग अमरनाथ यात्रियों को अपने कंधों पर उठाकर ले जाते रहे हैं और ऐसा करना जारी रखेंगे। पर्यावरण के साथ इस तरह से खिलवाड़ करना अच्छा नहीं है। उमर ने कहा कि यात्रा के दौरान कुछ कठिनाइयों का सामना करना आम बात हो गई है। उमर ने कहा, जब हम हज के लिए जाते हैं, तो क्या हम किसी वाहन में सफर करते हैं। नहीं, हम ऐसा पैदल करते हैं। लोग माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं और कई लोग पैदल जाते हैं और वाहनों आदि का उपयोग नहीं करते हैं।

फोटो : 4 पीएम

महंगाई बाजारों में दिवाली की धूम, महंगाई में 20 प्रतिशत तक बढ़े लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों के दाम।

130 फीट के कैनवास पर उतरी श्रीराम कथा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। 130 फीट लंबे कैनवास पर श्रीराम कथा के विविध प्रसंगों को उकेरने हेतु आयोजित चित्रांकन शिविर अवध के राम सम्पन्न हो गया। दीपोत्सव को भव्य और आकर्षक बनाने की शृंखला में अवध के युवा चित्रकारों द्वारा इन प्रसंगों को उकेरने का कार्य सोमवार को 1090 चौराहे पर आरंभ हुआ था। अयोध्या शोध संस्थान द्वारा आयोजित शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के निदेशक डाक्टर शोभित कुमार नाहर थे।

चित्रांकन शिविर हुआ आयोजित

इस अवसर पर डाक्टर नाहर ने कहा कि संस्कृति विभाग द्वारा अनूठा प्रयास किया गया है। इतने लंबे कैनवास पर श्रीराम कथा के प्रसंगों का चित्रण किया गया है जिसे अयोध्या दीपोत्सव के अवसर पर अयोध्या में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस स्थान पर इसी प्रकार समारोहों का आयोजन कर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की जाती रहनी चाहिए।

समापन समारोह में फ्रेंडशिप बैंड ने भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां की। बैंड के शिवम मिश्रा एवं श्रेया दीक्षित ने भजन सुनाए। उन्होंने मानस की चौपाइयों के अतिरिक्त श्रीराम जानकी..,शिव तांडव, नमो नमो, सांसों की माला पे..सहित कई भजन एवं सूफी गीत सुनाए। यह जानकारी निदेशक डॉ.लवकुश द्विवेदी ने दी ।

फोटो : सुमित कुमार

ये प्रसंग चित्रित हुए

पुत्रेष्टि यज्ञ, विश्वामित्र आगमन, ताड़का वध, सीता स्वयंवर, पंचवटी, स्वर्ण हिरन का आखेट, शबरी प्रसंग, जटायु मोक्ष, राम रावण युद्ध, राज्याभिषेक।

इन कलाकारों ने लिया भाग

सर्वश्री सिद्धार्थ देव, शिवम सिंह, विनय सिंह, अंकित कुमार वर्मा, दीपेन्द्र सिंह राजपूत, दीपक कुमार सिंह, अंकित अग्रहरी, मोहम्मद फैजान, व्योम सिंह चौहान, युवराज।

शुभमन गिल बने नंबर-वन बल्लेबाज

» आईसीसी वनडे रैंकिंग : सचिन का तोड़ा रिकॉर्ड, बाबर को पछाड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने आईसीसी वनडे रैंकिंग में दुनिया का नंबर 1 स्थान हासिल करने वाले भारत के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बनकर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। गिल ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को शीर्ष स्थान से हटा दिया और अब बाबर के 824 की तुलना में उनके 830 रैंकिंग अंक हैं।

गिल ने पिछले हफ्ते मुंबई में आईसीसी क्रिकेट विश्वकप 2023 मैच में श्रीलंका के खिलाफ अपनी शानदार 92 रन की बदौलत शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने 8 विकेट पर 357 रन के कुल स्कोर में गिल के शीर्ष स्कोर की मदद से श्रीलंका को 302 रनों से हरा दिया। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी रैंकिंग में कुछ पायदान ऊपर चढ़कर 770 रैंकिंग अंकों के साथ नंबर 4 पर पहुंच गए। तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक से सिर्फ एक अंक पीछे है। श्रीलंका के खिलाफ उनके 88 रन और रविवार को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रिकॉर्ड 49वें वनडे शतक की बदौलत वह यह करने में कामयाब हुए हैं। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने 40 रनों की बदौलत 739 अंकों के साथ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, वह पांचवें स्थान पर मौजूद डेविड वार्नर से सिर्फ 4 अंक पीछे हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे सिराज

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए दोहरी खुशी की बात यह रही कि मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजों की सूची में भी नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर ली। सिराज ने पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी को पीछे छोड़ दिया, जो पिछले हफ्ते नंबर 1 बने थे। सिराज के अब 709 रैंकिंग अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीकी केशव महाराज से आगे हैं, जिनके 694 अंक हैं। गिल तेंदुलकर, एमएस धोनी और कोहली के बाद ICC वनडे रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी ने 25 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी, जिसके बाद गिल तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं, जबकि शुबमन सिर्फ 24 साल की उम्र में शीर्ष पर पहुंचने में कामयाब रहे हैं।

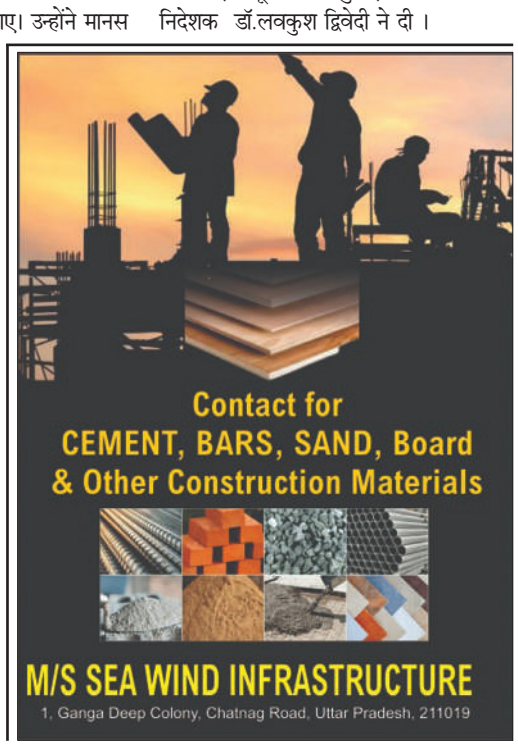

अपनी लड़ाई लड़ने में महुआ खुद सक्षम : अभिषेक बनर्जी

» कैश फॉर क्वेरी मामले में एथिक्स कमेटी की जांच पूरी

» टीएमसी सचिव का मिला सांसद को समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीएमसी के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक बनर्जी ने पहली बार खुलकर महुआ मोइत्रा के समर्थन ने अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि महुआ मोइत्रा अपनी लड़ाई खुद लड़ने में सक्षम हैं। दरअसल, संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप में घिरी टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को लेकर एथिक्स कमेटी आज (9 नवंबर) को अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट फाइनल करने वाली है। वहीं, कमेटी लोकसभा सचिवालय को रिपोर्ट सबमिट करेगी। इस ड्राफ्ट में मोइत्रा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

जांच समिति मोइत्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश कर सकता है। मुमकिन है कि महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता भी रद्द हो सकती है। बैठक को लेकर एथिक्स कमेटी के चेयरमैन विनोद सोनकर ने कहा कि टीएमसी सांसद के खिलाफ निशिकांत दुबे द्वारा की शिकायत की गई और हीरानंदानी द्वारा हलफनामा सौंपा गया।

ड्राफ्ट लोकसभा अध्यक्ष को भेजा जाएगा : सोनकर

विनोद सोनकर ने आगे बताया, इससे पहले की दो बैठकों में हमने शिकायतों की जांच की और महुआ मोइत्रा का बयान भी दर्ज किया गया। इन सबके बाद आज एथिक्स कमेटी की बैठक हो रही है, हम सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे और ड्राफ्ट लोकसभा अध्यक्ष को भेजेंगे। कमेटी सभी तथ्यों के आधार पर निर्णय लेगी और प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष को भेजेगी।

रिपोर्ट जारी, संसद सदस्यता रद करने की मांग

लोकसभा की आचार समिति ने 2 नवंबर को पूछताछ के बाद अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 500 पेज की इस रिपोर्ट में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद करने की मांग की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महुआ मोइत्रा ने जो किया, वह बेहद आपत्तिजनक, अनैतिक और अपराध है। कमेटी की रिपोर्ट में टीएमसी सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की गई है। साथ ही मामले की कानूनी और संस्थागत जांच की सिफारिश भी की गई है। आचार समिति के पिछले निर्णयों से पता चलता है कि पैनल अनैतिक आचरण के दोषी पाए गए सदस्य के खिलाफ सदन से निलंबन, माफी या निंदा जैसे कदमों की सिफारिश करता है। हालांकि, इसके पास सांसद पर मुकदमा चलाने की दंडात्मक शक्तियां नहीं हैं। लोकसभा पैनल की जांच के अलावा मोइत्रा के खिलाफ लोकपाल के पास दर्ज शिकायत लंबित है। भ्रष्टाचार निरोधक संस्था राष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार की शिकायतों को देखने के लिए जिम्मेदार है।

एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मामलों की निगरानी करें जज : सुप्रीम कोर्ट

» कहा- वेबसाइट में लगातार लंबित केस का ब्यौरा डाला जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सांसदों/विधायकों के खिलाफ लंबित मुकदमों के तेजी से निपटारे पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अधीनस्थ हाईकोर्ट को आदेश देते हुए कहा है कि सभी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस स्वत: संज्ञान लेकर एक केस दर्ज करें और विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मामलों की निगरानी करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जिला जज से इन मामलों के निस्तारण के लिए समय-समय पर रिपोर्ट लेते रहें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस वेबसाइट में लगातार एमपी/एमएलए के खिलाफ लंबित केस का ब्यौरा डाला जाए। कोर्ट के आदेश के बाद केंद्र सरकार ने 12 राज्यों (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 02 और उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल) में 01-01 विशेष न्यायालय की स्थापना की। सुप्रीम कोर्ट में बीते दिनों कई याचिकाएं दाखिल की गईं थी जिनमें कहा गया था कि इन अदालतों में तेजी के साथ मामले की सुनवाई नहीं की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने मामलों को सुनते हुए कहा कि जितने भी लंबित मामले हैं उनके बारे में पता किया जाए कि आखिर वो क्यों लंबित हैं, उनके निस्तारण में क्यों तेजी नहीं आ रही है। जांच में कहां रुकावट है और उसको दूर करने के लिए अदालत अपने स्तर पर क्या कदम उठा सकती है जिससे मामलों का जल्द निपटान हो सके।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को शीर्ष कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को गुरुवार को एक मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। वाराणसी की एमपी/एमएलए कोर्ट से जारी गैर जमानती वारंट के अमल पर शीर्ष अदालत ने 5 हफ्ते की रोक लगाई है। सुरजेवाला से कोर्ट ने कहा कि वह वारंट रद्द करवाने के लिए एमपी/एमएलए कोर्ट में आवेदन दें। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने साल 2000 में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान हुए उपद्रव से जुड़े मामले में सुरजेवाला को राहत दी है।

फोटो : 4पीएम

गुस्सा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विधानसभा में महिलाओं पर की गई टिप्पणी को लेकर बीजेपी की महिला कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में भाजपा कार्यालय के बाहर नीतीश का पुतला फूंका।

जम्मू-कश्मीर में बीएसएफ का जवान शहीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। गुरुवार को मुठभेड़ और सीजफायर की अलग-अलग घटनाओं में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि बीएसएफ का एक जवान शहीद हो गया। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में गुरुवार तड़के सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद कथित तौर पर एक आतंकवादी मारा गया। विवरण के अनुसार, काथोहलेन क्षेत्र से गोलीबारी की सूचना मिली थी।

कश्मीर जोन पुलिस के हवाले से बताया कि मारे गए आतंकवादी की पहचान मैसेर अहमद डार के रूप में हुई है, जो आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़ा था। एक पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी बताया कि सुरक्षा बलों के जवानों ने दक्षिण कश्मीर जिले के काथोहलान इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि जैसे ही बलों ने अभ्यास किया, आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी कर दी। अधिकारी ने बताया कि बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद मुठभेड़ हुई जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। वीडियो में सुरक्षा बलों को जम्मू-कश्मीर के शोपियां में काम करते हुए दिखाया गया है, जहां मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी मारा गया। एक अलग घटना में, जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में बुधवार देर रात अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास पाकिस्तानी रेंजर्स की बिना उकसावे वाली गोलीबारी में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक हेड कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, सांबा में सीमा चौकियों को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी, जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा पिछले 24 दिनों में संघर्ष-विराम उल्लंघन की तीसरी घटना है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी में बीएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल लाल फाम कीमा घायल हो गए, जिन्हें पहले एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर जम्मू के जीएमसी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

शोपियां मुठभेड़ में मारा गया आतंकी

अयोध्या में यूपी कैबिनेट की हुई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक संपन्न हो गई। इससे पहले, सीएम योगी सुबह 11 बजे अयोध्या स्थित रामकथा पार्क पहुंचे। उनके नेतृत्व में मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों ने हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया। इसके बाद रामलला के दरबार में पहुंचे। यूपी के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अयोध्या में कैबिनेट बैठक से पहले कहा कि करीब 1000 साल बाद पीएम और सीएम ने अयोध्या का गौरव लौटाया है। यह शहर दुनिया का सबसे बड़ा पर्यटक स्थल बनने जा रहा है। आज यहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फैसले लिए जाएंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई प्रस्ताव कैबिनेट के सामने हैं।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में अयोध्या में पहली बार कैबिनेट बैठक हुई। अयोध्या में यूपी कैबिनेट की बैठक शुरू होने से पहले राज्य मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि बैठक में उत्तर प्रदेश का विकास और कैसे हो इस पर ही चर्चा होगी। आज का पल ऐतिहासिक है क्योंकि यहां कैबिनेट की बैठक हो रही है। अयोध्या में होने वाली कैबिनेट बैठक में सरकार आगामी लोस चुनाव के मद्देनजर रामनगरी से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एजेंडे को धार देगी। अयोध्या सहित प्रदेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों के जरिये धर्म और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले प्रस्तावों पर मुहर लगेगी।

कई प्रस्तावों पर लगी मुहर

केरल सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल पुलिस मुख्यालय में आज (9 नवंबर) सुबह अचानक अफरातफरी मच गई, जब एक व्यक्ति ने कॉल करते हुए केरल सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी दे दी। कॉल करते हुए व्यक्ति ने दावा किया कि सचिवालय परिसर के भीतर विस्फोटक रख गए हैं और परिसर में बम धमाका होने वाला है। कॉल मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने बम की तलाशी शुरू कर दी।

खोजी कुत्तों की सहायता से पुलिस कर्मियों ने सचिवालय परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह गहन तलाशी ली। यहां तक कि पार्क किए गए वाहनों और आसपास की दुकानों की भी जांच की गई। हालांकि, कहीं भी विस्फोटक बरामद नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने कॉल करते हुए धमकी देने वाले मुख्य आरोपी गिरफ्तार किया। आरोपी को पॉझियूर पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए लाया गया। पूछताछ के बाद पता चला कि यह एक फर्जी कॉल था। इस मामले पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।